# यू.पी.वी.सी खिडकियों का निर्माण एवम् स्थापना

## रिलायंस पॉलिमर्स द्वारा तैयार गाइड

एक जिम्मेदार कंपनी होने के फलस्वरूप, रिलायंस पॉलीमर्स उत्तम उत्पाद निर्माण करने के लिए कटिब्द्धध है। हम निर्माण उदयोग के लिए न केवल नवीन पदार्थों की पेशकश और तकनीकों की जानकारी देते है, बल्कि हमारे ग्राहकों को कीमती और फायदेमंद सेवाएँ पहुंचाने की पहल भी करते है।

यह गाइड आपको युपीवीसी (ठोस पॉलीवीनायल क्लोराइड) खिडकियों का निर्माण एवम् उनकों मकानों/इमारतों (नये या पुराने) में स्थापना के लिए आवश्यक जानकारी से अवगत और सक्षम करेगा। इन निर्देशों का पालन करने से आप सही ढंग से यूपीवीसी खिडकियॉ बनाने और ग्राहकों के घरों पर लगाने की प्रक्रिया सीख पायेंगे।

### रिलायंस पॉलिमर्स की ३६०$^{\circ}$ साझेदारी

रिलायंस पॉलिमर्स अपने ग्राहकों, और उनके ग्राहकों के लिए, ऐंसी सेवाएं प्रदान करते है, जैसे कि उन्होंने पहलें कभी अनुभव न की हों।

हम प्रशिक्षण की नई पहलों के माध्यम से, अपने ग्राहकों को मदद करने हेतू और उनके साथ बंधनों को मजबूत करने के निरंतर प्रयासों में लगे रहते है। रिलायंस पॉलिमर्स भारतीय बाजार में नए उत्पाद आवेदन एव: क्षमता विकास हेतू प्रोसेसरों, उपयोगकर्ताओं, नोडल एजेंसीयों और ग्राहकों के सहयोगी प्रयासों का एकीकरण करता है ताकि आपकी अधिक से अधिक मदद हो।

### एक आम खिडकी के भाग

चौखट (फ्रेम), चौखट का भीतरी हिस्सा, कॉच, ट्राण्सम/मुलियन, खिडकी का खुलता या चलता हुआ भाग (सैश)

### यूपीवीसी खिडकियों के आम प्रकार

१. बाहर या भीतर खुलने वाली खिडकी
२. दो खिडकियॉ जो एक साथ बाहर या भीतर खुलती हो

३. खिसकनेवाली (स्लाइडिंग) खिडकी

## युपीवासी खिडकियों का निर्माण

१. सबसे पहले यह निश्चित कीजिये कि किस प्रकार की खिडकी बनानी है और उसके डिजाइन को अंतिम रूप दे।

२. यूपीवीसी प्रोफाइल (फ्रेम/सैश) को निर्धारित कोन, लंबाई और मात्रा में काटिये। हर एक प्रोफाइल को नाप से ५-६ मिमि अधिक काटिये क्योंकि कोनों को वेल्डिंग से जोडने में २.५-३ मिमि लम्बाई कम पड जाती है। सही मार्जिन का अन्दाज "कॉर्नर वेल्ड" मशीन पे ट्राइल वेल्डिंग करने से ही निर्धारित होता है।

३. प्रोफाइल को काटने के बाद, उसमे आवश्यकता के अनुसार कई छेद किये जाते है, जैसे कि ड्रेनेज, हैन्डल, ताला इत्यादी। इसके अलावा चौखट में पेचों के लिए ड्रिल मशीन से छेद किये जाते है।

४. १.५-२ मिमि मोट गेल्वानाइजड आयर्न चैनल को काट के प्रोफाइल के अन्दर डाला जाता है और पेचों से फिक्स किया जाता है।

५. फ्रेम और सैश के कोनों को " कॉर्नर वेल्डिंग" मशीन पर २४५ -२५५° C तापमान पर जोडा जाता है। वेल्डिंग का आदर्श तापमान मशीन पर परिक्षण से तय हो जाता है। यह प्रोफाइल की मोटाई और वेल्डिंग प्लेट की सतह पर भी निर्भर करता है।

६. जुडे हुए कोनों से उभरी हुई परत कॉर्नर क्लिनिंग मशीन द्वारा साफ की जाती है।

७. कोनों की मजबूती का परिक्षण सही वजन लटका कर किया जाता है।

८. ट्राण्सम और मुलियन भी इसी प्रकार से खिडकी में जोडे जाते है। इ.पी.डी.एम./टी.पी.ई./पीवीसी गास्केट एव: वूलपाइल लगाए जाते है।

९. मल्टी पाइन्ट ताला और अन्य हार्डवेअर खास पेचों से सैश और फ्रेम में जोडे जाते है।

१०. अंत में शीशे को खिडकी में बन्द करनेवाले प्रोफाईलों (ग्लेजिंग बीड) को नाप के हिसाब से काटा जाता है।

११. एक अंतिम निरीक्षण के बाद, खिडकी लगभग ९०% तैयार है और वर्कशॉप /फैक्ट्री से साइट पर ले जायी जाती है।आमतौर पर शीशे और हैण्डल, इत्यादी साइट पर ही खिडकी में लगाए जाते है।

१२. खिडकियों को कई परिक्षणों से गुजरना पडता है जैसे कि हवा और पानी का रिसाव, कार्यदक्षता, यू वैल्यू, सौर गरमी वृद्धी, विजीबल लाइट ट्रान्समिटन्स, इत्यादी।

## मकान/इमारत (नये एवंः पुराने) में यूपीवीसी खिडकी की स्थापना

१. जिस साइट/स्थान पर यूपीवीसी खिडकीयॉ स्थापित करनी हो, उसका सर्वेक्षण करे और जांच करे कि बिजली, सीडी इत्यादी, साइट पर उपलब्ध है कि नही। जिस चिनाई/दिवार मे खिडकी लगानी है, उसका पलस्तर एक स्तर में होना चाहिए। यदि आवश्यक हो, धूल से बचने के लिए प्लास्टिक शीट से नजदीकी क्षेत्र को ढक दे।
२. मौजूदा खिडकी (चिनाई) का नाप ले और जांच करें कि नई यूपीवीसी खिडकी उसके स्थान में ठीक से बैठ सकती है या नही।
३. मौजूदा खिडकी को पलस्तर से अलग करे। नयी यूपीवीसी खिडकी के लिए दीवार में स्थान को पूर्णत: साफ कर ले।
४. चौखट के कोनो से १८०-२२० मिमि की दुरी पर ६-११ मिमि के छेद ड्रिल करे। उसके बाद ४००-५०० मिमि की दुरी पर छेद ड्रिल करे। असल में यह खिडकी के आकार पर निर्भर करता है।
५. सामान्य तौर पर यूपीवीसी खिडकी को चारों और से ५-६ मिमि का मार्जिन होना चाहिये ताकि खिडकी चिनाई मे अच्छी तरह फिट हो, तंग फिट न हो।
६. यूपीवीसी खिडकी को सही स्तर और लेवल से बिठा दे और स्टील पेचों से फिक्स करे। पेचों को जरूरत से ज्यादा न कसें।
७. खिडकी में शीशा लगा कर, ''ग्लेजिंग बीड'' प्रोफाईल से शीशे को अपनी जगह बन्द कर दे।
८. अब हैण्डल, ड्रेनेज छेद का कवर, फ्रिक्शन स्टे, इत्यादी को खिडकी में लगा दे।
९. चिनाई और चौखट के बिच की दरार को सिलीकॉन सीलंट से भर दे ताकि हवा/पानी/गर्मी/धूल का रिसाव न हो। सब पेचों पर कॅप (cap) बिठा दे।
१०. खिडकी की कार्यशीलता को कई बार खोल/बंद करके परख ले।
११. प्रोफाइलो के उपर चिपका हुआ सुरक्षा टेप निकाल ले।

## खिडकी को चिनाई में स्थापित करने के लिये आम उपकरण

पावर ड्रिल, ड्रिल बिट्स, स्टील पेच, एन्कर फास्टनर, लकडी या नायलान हैड वाला बडई हथौडा, सिलीकान सीलन्ट और सिलीकान गन, इत्यादी.